तापमान

अधिकतम 27.0 डिग्री
न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि
रत्न भूमि

रायपुर, शुक्रवार 17 जुलाई 2026

11 पुल-पुलियों के ऊपर से बह रहा पानी बच्चे, कर्मचारी और...

12 कोसमबुड़ा में एचपीवी टीकाकरण शिविर

प्रवेश प्रारंभ
B.P.Ed., B.P.E.S., BCA, Bsc. (CS/IT), B.Com., PGDCA, DCA
PG Diploma in Yoga Edu.
AICTE एवं NCTE से मान्यता प्राप्त
(पं. र.वि.वि. रायपुर से सम्बद्ध)
नेताजी सुभाष कॉलेज बेलभाठा, अभनपुर
मो.न. - 8103982557

आस्था के सैलाब में डूबी धर्मनगरी : तीन रथों पर सवार होकर नगर भ्रमण पर निकले जगन्नाथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

मूसलाधार बारिश में प्रभु का इंतजार, भींगते रहे भक्त लेकिन नहीं हुए टस से मस

गुरूवार शाम शहर में जब भगवान श्री जगन्नाथ का रथ निकला तो मूसलाधार बारिश होने लगी। मूसलाधार बारिश के मौजूद भक्तजन भींगते रहे लेकिन टस से मस नही हुए। गजामूंग का प्रसाद प्राप्त करने के बाद ही भक्तजन अपने घर को लौटे। मालूम हो कि शाम 4:30 बजे धमाल बाजे ,ढोल-नगाड़ों, भजन-कीर्तन और जयघोष के बीच भगवान श्रीजगन्नाथ स्वामी की भव्य रथयात्रा निकाली गई। विशेष आकर्षण श्री राधाकृष्ण मंदिर, श्री सत्यनारायण मंदिर और साई मंदिर के तीनों रथ एक साथ नगर भ्रमण पर निकले। जैसे ही रथ आगे बढ़े, श्रद्धालुओं में रस्सी पकड़कर रथ खींचने की होड़ मच गई। हर कोई इसे अपने जीवन का सौभाग्य मानते हुए भगवान की सेवा में शामिल होने को उत्सुक दिखाई दिया।

काली मंदिर चौक पर लगा भारी जाम, घंटों परेशान रहे लोग- रथयात्रा श्री राधाकृष्ण मंदिर से प्रारंभ होकर सदर बाजार, नीलकंठ मंदिर, साहूगुड़ी, सुभाष चौक होते हुए काली मंदिर के पास पहुंची तो हजारों की संख्या में बरसते पानी में खड़े भक्तजन पूजा और प्रसाद प्राप्त करने झूम गए। इस चौक में ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तहर चरमरा गई। ईधर बस स्टेण्ड की ओर से आने वाले लोग और उधर नगर पालिका की ओर से आने वालो की भीड़ जमा हो गई वही शीतलापारा का रास्ता भी पूरी तरह पैक था। गाड़ी मोटर और दुपहिया वाहनो से यह भीड़ भरा हुआ था। इस चौक में पुलिस कही नजर नही आई अलबत्ता लोग ट्रैफिक में फंसकर खूब परेशान होते रहे। बहुत मुश्किल से रास्ता क्लीयर हुआ रथ आगे ▶▶|शेष पेज 10 पर

खबर संक्षेप

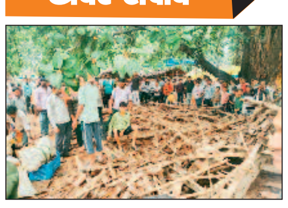

बारिश के बीच पुराना मकान ढहा, 9 घायल

मैनपुर। रथयात्रा पर्व के दौरान लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बीच उरमाल बाजार में बड़ा हादसा हो गया। बारिश से बचने के लिए लोग बाजार स्थित ईंट-खपरे से बने एक पुराने होटल में शरण लिए हुए थे। इसी दौरान लगातार बारिश से जर्जर और कमजोर हो चुका मकान अचानक भरभराकर ढह गया, जिससे वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के समय होटल के अंदर और आसपास 9 से अधिक लोग मौजूद थे। मलबा गिरते ही चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत कार्य शुरू कर घायलों को बाहर निकाला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उरमाल पहुंचाया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उरमाल के डॉक्टर पांडे ने बताया कि एक व्यक्ति की रीढ़ की हड्डी में चोट आई है, जिसे एक्स-रे के लिए भेजा गया है। शेष सभी घायलों को सामान्य चोटें आई थीं, जिनका प्राथमिक उपचार कर अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। घायलों में रोहित सिन्हा (28 वर्ष, ग्राम धोरकोट), प्रीतिवास (उरमाल), तिलेश्वर सोनवानी (बेहरामुड़ा), होरेंद्र सिंह मरकाम, उड़ीसा के बेहरामुड़ा निवासी एक व्यक्ति, दो वर्षीय एक बच्ची, चार वर्षीय एक बच्ची सहित अन्य लोग शामिल हैं।घटना के बाद बाजार में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा।

पर्व : चार राज्यों के भक्तों का लगा तांता, पंडित युवराज पांडेय ने संभाली कमान

अमलीपदर में बारिश के बीच उमड़ा जनसैलाब रथयात्रा में गूंजा बोल कालिया की जय का घोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

आषाढ़ शुक्ल द्वितीया के पावन अवसर पर गुरुवार को मैनपुर नगर सहित पूरे अंचल में सुबह से हो रही मूसलाधार बारिश ने जहाँ भीषण गर्मी और उमस से तड़पते लोगों को बड़ी राहत दी, वहीं रिमझिम फुहारों के बीच आस्था का एक अद्भुत महासंगम देखने को मिला। मैनपुर विकासखंड के अमलीपदर स्थित ऐतिहासिक भगवान जगन्नाथ मंदिर से इस वर्ष भी अभूतपूर्व भक्ति, अटूट श्रद्धा और भारी उत्साह के साथ महाप्रभु की भव्य रथयात्रा निकाली गई। झमाझम बरसते पानी में भी हजारों श्रद्धालुओं का जनसैलाब /"बोल कालिया/" के गगनभेदी जयघोष के साथ झूमता रहा। प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक पंडित युवराज पांडेय के गरिमामयी नेतृत्व में आयोजित इस भव्य धार्मिक महोत्सव में छत्तीसगढ़ के अलावा पड़ोसी राज्य ओडिशा, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र से भारी संख्या में श्रद्धालु अमलीपदर पहुंचे। सुबह से जारी मूसलाधार बारिश के बावजूद भक्तों का उत्साह देखते ही बनता था और लोग घंटों मंदिर परिसर में डटे रहे। जैसे ही शुभ मुहूर्त में पंडित युवराज पांडेय ने परंपरा अनुसार भगवान जगन्नाथ के विग्रह को अपने कंधों पर उठाया और विधि-विधान व वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भव्य रथ पर विराजमान कराया, पूरा अमलीपदर अंचल 'बोल कालिया' और 'जय जगन्नाथ' के नारों से सराबोर हो उठा। पारंपरिक देव वाद्यों, शंखध्वनि और ढोल-नगाड़ों की मधुर धुन के बीच रथयात्रा शुरू हुई, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने महाप्रभु के रथ की पवित्र डोर (रस्सी) खींचकर पुण्य लाभ अर्जित किया।

मैनपुर, जाड़ापदर और इंदागांव सहित पूरे अंचल में रही धूम

अमलीपदर के मुख्य आयोजन के साथ-साथ पूरे मैनपुर ब्लॉक में रथयात्रा का पर्व पूरे शबाब पर रहा। अंचल के प्रमुख केंद्रों जैसे मैनपुर नगर, जाड़ापदर, भाठीगढ़, टीपपारा, कोदोभाठ, इंदागांव, उरमाल और गोहरापदर में भी रथयात्रा के अवसर पर मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चन की गई। इन सभी गांवों में महाप्रभु के रथ को खींचने और गजा-मूंग का पावन प्रसाद प्राप्त करने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही, जिससे पूरा क्षेत्र आध्यात्मिक रंग में रंगा नजर आया।

छत्तीसगढ़ी संस्कृति की थीम पर सजा अस्थायी गुंडीचा मंदिर

रथयात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ, भ्राता बलभद्र और बहन सुभद्रा को नौ दिनों के विश्राम के लिए अस्थायी मौसी माँ (गुंडीचा) मंदिर में विराजमान कराया गया। इस वर्ष गुंडीचा मंदिर को विशेष रूप से छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति और पारंपरिक थीम पर सजाया गया था। पंडित युवराज पांडेय ने इस अभिनव सोच के बारे में बताया कि हमारा उद्देश्य इस बार महाप्रभु जगन्नाथ को 'छत्तीसगढ़ महतारी के कोरा (गोद)' में विराजमान होने का भाव प्रस्तुत करना था। इसी पावन भाव के साथ मंदिर परिसर में छत्तीसगढ़ी संस्कृति, पारंपरिक भित्ति चित्र और छत्तीसगढ़ महतारी की अद्भुत झलक प्रदर्शित की गई, जिसे देखकर स्थानीय नागरिकों सहित बाहरी राज्यों से आए श्रद्धालुओं ने मुक्त कंठ से सराहा। अब अगले 9 दिनों तक (बाहुदा यात्रा तक) यहाँ प्रतिदिन पांच पहर महाप्रभु की विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे।

सांसद रूपकुमारी चौधरी सहित आला अफसरों ने टेका माथा

अमलीपदर की इस ऐतिहासिक रथयात्रा में इस वर्ष भारी संख्या में वीआईपी और जनप्रतिनिधियों का जमावड़ा रहा। भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद लेने पहुंचे मुख्य अतिथियों में पवन साय भाजपा प्रदेश महामंत्री, रूपकुमारी चौधरी महासमुंद सांसद, नेहरू निषाद अध्यक्ष, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग, गौरीशंकर कश्यप जिला पंचायत अध्यक्ष, अनिल चन्द्राकर भाजपा जिला अध्यक्ष, रिखीराम यादव गरियाबंद नगर पालिका अध्यक्ष सहित क्षेत्र के तमाम वरिष्ठ जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन के आला अधिकारी और पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी विशेष रूप से शामिल हुए। सभी दिग्गजों ने महाप्रभु के रथ के सामने माथा टेककर प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

डीपीआई की गड़बड़ी : दोबारा जारी की आरटीई राशि, अब वापसी का फरमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुरा

शिक्षा विभाग की शिक्षा का अधिकार (आरटीई) योजना के तहत निजी स्कूलों में अध्ययनरत गरीब एवं वंचित वर्ग के विद्यार्थियों की फीस का भुगतान शासन द्वारा किया जाता है। लेकिन इस वर्ष भुगतान प्रक्रिया में हुई एक त्रुटि के कारण प्रदेश के कई निजी स्कूलों के सामने आर्थिक संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है। जानकारी के अनुसार, लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) द्वारा 15 जून 2026 को प्रदेश के चार जिलों के लगभग 80 निजी स्कूलों के खातों में शैक्षणिक सत्र 2024-25 की प्रतिपूर्ति राशि दोबारा जमा कर दी गई, जबकि इस समय सत्र 2025-26 की राशि जारी की जानी थी। वर्ष 2024-25 की राशि का भुगतान पूर्व में ही किया जा चुका था। अब लगभग एक माह बाद, 16 जुलाई को विकासखंड शिक्षा अधिकारियों के ▶▶|शेष पेज 10 पर

4 अंतरराज्यीय तस्करों को 20-20 साल की जेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

मैनपुर थाना क्षेत्र के बहुचर्चित 20 किलो गांजा तस्करी मामले में रायपुर स्थित विशेष न्यायालय (एनडीपीएस एक्ट) ने एक कड़ा फैसला सुनाया है अदालत ने तस्करी में शामिल चारों आरोपियों को दोषी करार देते हुए उन्हें 20–20 साल के सश्रम कारावास (कठोर सजा) से दंडित किया है। इसके साथ ही, प्रत्येक दोषी पर दो–दो लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। यह मामला मैनपुर थाने में अपराध क्रमांक 46/2025 के तहत दर्ज किया गया था। मामले की सुनवाई रायपुर में विशेष न्यायाधीश शैलेश शर्मा की अदालत में हुई। न्यायालय ने पुलिस द्वारा पेश ▶▶|शेष पेज 10 पर

महीनों से खड़े हैं खटारा ट्रक और ट्रैक्टर, आधी रह गई सड़क की चौड़ाई

करोड़ों खर्च कर किया सड़क चौड़ीकरण अब एनएच बन गया स्थायी पार्किंग यार्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

राष्ट्रीय राजमार्ग-130 नवापारा शहर के बीच पिछले वर्षो में करोड़ों रुपये खर्च कर सड़क चौड़ीकरण किया गया। इसका उद्देश्य बढ़ते यातायात दबाव को कम करना, दुर्घटनाओं में कमी लाना और लोगों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन उपलब्ध कराना था। शुरूआती दिनों में इसका लाभ भी मिला और ट्रैफिक व्यवस्था काफी हद तक सुधरी। लेकिन अब वही चौड़ी सड़क धीरे-धीरे स्थायी पार्किंग स्थल में तब्दील होती नजर आ रही है। शहर के कई हिस्सों में सड़क के दोनों ओर ट्रक, ट्रैक्टर, ट्रॉली, पुराने और खटारा वाहन एकाद दो -दिन नहीं, बल्कि महीनों तक खड़े दिखाई देते हैं। कई वाहन ऐसे हैं जिन्हें देखकर लगता है मानो उन्हें हमेशा के लिए सड़क किनारे छोड़ दिया गया हो। इससे सड़क की वास्तविक चौड़ाई आधी रह जाती है और वाहन चालकों को मजबूरी में बीच सड़क से गुजरना पड़ता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या सड़क चौड़ीकरण लोगों के निजी वाहनों की पार्किंग के लिए किया गया था? यदि सड़क का बड़ा हिस्सा स्थायी रूप से वाहनों के खड़े करने में रहेगा तो चौड़ीकरण का उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा। रात के समय यह स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है। सड़क किनारे खड़े भारी वाहनों के कारण पीछे से आने वाले चालकों को समय पर अंदाजा नहीं लग पाता और दुर्घटना ▶▶|शेष पेज 10 पर

खबर संक्षेप

फिंगेश्वर में निकली भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा

फिंगेश्वर। प्राचीन ऐतिहासिक एवं धार्मिक नगरी फिंगेश्वर में नगर के पंच मंदिर, बालाजी मंदिर से पूजा अर्चना के बाद निकली। भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा ने नगर सहित दूर दराज से आए श्रद्धालुओं को आस्था एवं भक्ति में डूबोया। वहीं पर जगन्नाथ भगवान की जय के नारे गूंजें। भगवान जगन्नाथ एवं उनकी बहन सुभद्रा एवं भाई बलराम रथ में शोभायमान लग रहे थे। रिमझिम बारिश ने भगवान को जहां स्नान कराया वहीं पर उमस एवं गर्मी से लोगों को राहत मिल रही है। लोगों का कहना है कि भगवान जगन्नाथ को स्नान कराने बादल स्वयं बारिश करते है तो जान लो इस बार विशम से विशम परिस्थिति मे अनाज का शानदार उत्पादन होगा क्योकि भगवान स्वयं पूरण एवं पालनहार हैं। रथ यात्रा में रथ को धकलने के लिए भाजपा के वरिष्ट नेता रामूराम साहू, मुकेश साहू सहित दर्जनों युवाओं एवं नागरिकों ने रथ धकेलकर पुण्य की भागीदार बने। मंदिर ट्रस्ट समिति के द्वारा प्रतिवर्ष रथ यात्रा निकाली जाती है। रथ यात्रा में पंडित अमन शर्मा शुभम जैन सहित अन्य युवाओ के द्वारा रथ से गजामूंग का प्रसाद का वितरण करते रहे। रथ यात्रा को लेकर थाना प्रभारी जयप्रकाश नेताम एवं पुलिस स्टाप के द्वारा यातायात एवं शांति व्यवस्था को लेकर पूरे समय रथ यात्र के साथ सड़कों पर नजर आये।

बच्चों ने साइकिल पर निकाली भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा

पाण्डुका। पूरे देश में भगवान श्री जगन्नाथ की रथ यात्रा धूम धाम से मनाई जा रही है अपने-अपने साधनों से जिस तरह युवाओं से लेकर बड़े बुजुर्गों तक प्रतिवर्ष रथ यात्रा निकालकर भगवान श्री जगन्नाथ के प्रति अगाध प्रेम, निष्ठा और समर्पण की भावना प्रदर्शित करते है। गांव-गांव और शहरों में भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाल कर हरि बोल के जय घोष के साथ साथ जय जगन्नाथ, जय जगन्नाथ के जय घोष किया जाता है। ऐसे में छोटे छोटे बच्चों के मन में बचपन से भगवान के प्रति प्रेम आस्था होना आज के समय में बहुत बड़ी और अच्छी बात है। इसी कड़ी में पाण्डुका अंचल के ग्राम अतरमरा में छोटे-छोटे बच्चों ने साइकिल में भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की फोटो रखकर हल्की बारिश मे रथ यात्रा निकाले इस हल्की बारिश में इन बच्चों का उत्साह कम नहीं हुआ, और अपने मोहल्ले एवं गांव में घुमाए, इन बच्चों ने पहले से पूरी तैयारी भी कर ली थी भगवान के प्रिय भोग भी तैयार कर रखे थे। और पूजा करने वाले भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया। भगवान श्री जगन्नाथ की रथ यात्रा की तैयारी व भ्रमण में देव कुमार सिन्हा, लेयांशी सिन्हा, निखिल कुमार, मारुति निषाद, सेतु निषाद आदि बच्चे शामिल हुए।

शराब बेच रही महिला पर कार्रवाई

महासमुंद। शराब बेच रही एक महिला के खिलाफ सरायपाली थाने में अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि पुष्प वाटिका के बगल सीसी रोड वार्ड नं 02 बीरेंद्र नगर सरायपाली में एक महिला अवैध रूप से महुआ शराब बिक्री करने के लिए ग्राहक की तलाश कर रही है। मौके पर पहुंचकर महिला के कब्जे कुल 20 लीटर हाथभट्ठी शराब कीमत 4000 रुपए को बरामद किया। मामले में आरोपी के विरूद्ध धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

आस्था : जय अखंड धूमाल, ओडिशा के कट्टप्पा नृत्य और मध्य प्रदेश के बैगा लोकनृत्य ने बांधा समां

पुरी की तर्ज पर निकली जगन्नाथ यात्रा, धूमाल की थाप के बीच उमड़ा आस्था का महासैलाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद

जिला मुख्यालय गुरुवार को भगवान श्री जगन्नाथ की भक्ति में सराबोर नजर आया। श्री जगन्नाथ परिवार युवा बल, गरियाबंद के तत्वावधान में आयोजित भव्य रथ यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने उत्साह और श्रद्धा के साथ भाग लिया। पूरे नगर में जय जगन्नाथ के जयघोष गूंजते रहे और वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। जगन्नाथ पुरी की विश्वविख्यात रथ यात्रा की झलक देखने के लिए जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। नगर में घंटों देर तक नेशनल हाईवे पराघोषित रूप से जाम की स्थिति निर्मित हुई।

पुलिस प्रशासन की जगह जगह जबरदस्त तैनाती रही,पुलिस जवान सुरक्षा व्यवस्था में गिरते पानी में भी डटे रहे। शाम तीन बजे श्रीराम जानकी मंदिर से भगवान श्री जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की विधिवत पूजा-अर्चना के बाद नवनिर्मित भव्य रथ पर विराजमान कर यात्रा का शुभारंभ किया गया। जैसे ही रथ आगे बढ़ा, श्रद्धालु भगवान के रथ की रस्सी खींचने उमड़ पड़े।

श्रीराम जानकी मंदिर से शुरू हुई यात्रा, नवनिर्मित रथ रहा मुख्य आकर्ष- पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर भगवान का स्वागत किया और दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। रथ यात्रा श्रीराम जानकी मंदिर से भुनेश्वरनाथ चौक, शारदा चौक, तिरंगा चौक, कुम्हारपारा, सुभाष चौक, यादवपारा, बजरंग चौक, मानस चौक, शिव दुर्गा मंदिर होते हुए गुंडिचा मंदिर (पुराना मंडी बाजार, शीतला चौक) पहुंची। यात्रा मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने भगवान की आरती उतारी तथा प्रसाद वितरण किया। रथ यात्रा का सबसे बड़ा आकर्षण नवनिर्मित भव्य रथ रहा। इसके साथ रायपुर का प्रसिद्ध जय अखंड धूमाल, अत्याधुनिक लाइट शो, ओडिशा का पारंपरिक कालाहांडी कट्टप्पा, राम सेतु की चलित झांकी, लाइव विशेष प्रस्तुति, बालिका दल का श्रीहरि संकीर्तन, मध्यप्रदेश का पारंपरिक बैगा लोकनृत्य तथा छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय लोक कलाकार रमन बॉय निषाद की सांस्कृतिक प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। पूरा नगर भक्ति, संस्कृति और लोक परंपराओं के अद्भुत संगम का साक्षी बना।

मुस्तैद रही पुलिस, गिरते पानी में संभाली सुरक्षा- रथ यात्रा में जिले के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा आसपास के जिलों और ग्रामीण अंचलों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। महिलाओं, युवाओं, बच्चों और बुजुर्गों की सहभागिता ने आयोजन को और अधिक भव्य बना दिया। पूरे मार्ग में सुरक्षा और यातायात व्यवस्था भी सुचारु रही। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवकों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ की कृपा से रथ यात्रा शांतिपूर्ण, भव्य और ऐतिहासिक रूप से संपन्न हुई। समिति ने इसे धार्मिक आस्था, भारतीय संस्कृति, सामाजिक समरसता और भाईचारे का महापर्व बताते हुए आने वाले वर्षों में इसे और अधिक विशाल स्वरूप देने का संकल्प भी व्यक्त किया।

फुहारों के बीच निकली महाप्रभु जगन्नाथ की रथयात्रा, उमड़ा जनसैलाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोपरा

आषाढ़ शुक्ल द्वितीया के पावन अवसर पर सहसपुर में भगवान श्री जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा की पारंपरिक रथयात्रा रिमझिम बारिश के बीच श्रद्धा, उल्लास और भक्तिभाव के साथ शांतिपूर्वक निकाली गई। सुबह से ही आसमान में छाए बादलों और हल्की बारिश ने मौसम को सुहावना बना दिया। श्रद्धालुओं ने इसे भगवान जगन्नाथ की विशेष कृपा और शुभ संकेत मानते हुए पूरे उत्साह के साथ रथयात्रा में भाग लिया। पूरे गांव में जय जगन्नाथ, हरि बोल और जय श्रीकृष्ण के जयघोष गूंजते रहे। रथयात्रा प्रारंभ होने से पूर्व मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा का विशेष श्रृंगार एवं विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। आकर्षक फूलों और रंग-बिरंगी सजावट से सुसज्जित रथ में तीनों विग्रहों को विराजमान कराया गया। शुभ मुहूर्त में पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं ने भगवान के रथ की रस्सी खींचकर यात्रा का शुभारंभ किया। मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ के रथ को खींचने वाले भक्तों पर भगवान की विशेष कृपा बनी रहती है तथा जीवन के समस्त कष्ट दूर होते हैं। रथयात्रा गांव के प्रमुख स्थान बजरंग चौक से निकली, जहां जगह-जगह श्रद्धालुओं ने भगवान की आरती उतारी, पुष्पवर्षा कर स्वागत किया और प्रसाद का वितरण किया। महिलाओं ने मंगल गीत गाए, युवाओं ने जयघोष लगाए तथा बच्चों में भी रथयात्रा को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। हल्की बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ। अनेक श्रद्धालु बारिश में भीगते हुए भगवान के दर्शन करने और रथ के साथ चलने का सौभाग्य प्राप्त करते रहे। पूरा वातावरण भक्ति, आस्था और उत्साह से सराबोर दिखाई दिया।

भेंडरी में निकली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा

नवापारा-भेण्डरी। ग्राम भेंडरी में श्रद्धा और उल्लास के साथ भगवान श्री जगन्नाथ स्वमी की रथ यात्रा निकली। यहां इस साल एक साथ दो रथे निकली। पहला रथ श्रीराधाकृष्ण मंदिर से और दूसरा रथ चंद्रहास साहू के निवास से। दोनो रथो में सवार भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी के दर्शन के लिए जगह-जगह महिलाओं एवं भक्तजन मौजूद थे। भक्तों ने रथ की रस्सी खींचकर पुण्य लाभ अर्जित किया। श्रद्धालुओं को गजामूंग प्रसाद वितरित किया गया। ढोल-नगाड़े, झांझ-मंजीरे और भजन कीर्तन की गूंज से वातावरण भक्तिमय हो गया।

महाप्रभु जगन्नाथ की निकली यात्रा, बांटा प्रसाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुईहा बेलर

गुरूवार को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा ग्राम बेलर में धूमधाम से निकाली गई। ग्राम वासियों द्वारा सुंदर रथ को सजा कर भगवान श्रीकृष्ण, भाई बलराम तथा बहन सुभद्रा को पूराना बाजार चौक में भ्रमण कराया गया। रथ पर भगवताचार्य पं. त्रिभूवन मिश्रा रथ में सवार थे जो श्रद्धालुओं को गंजामुंग प्रसाद के साथ आशीर्वाद दे रहे थे। बेलर में विगत पचास वर्ष से रथयात्रा निकालने की परम्परा चली आ रही है।यह सिलसिला लगातार उल्लास के साथ जारी है। इस दिन यहां महोत्सव के रूप में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है जो आज भी कायम है। प्रति वर्ष बेनी राम सिन्हा निवास से भगवान की भ्रमण यात्रा विधि-विधान से निकाली गई। इस दौरान लोग रथ खींच कर अपने जीवन को निहाल हुए। वहां का माहौल भक्तिमय हो गया। लोग दर्शन उपरांत भगवान जगन्नाथ का जयकार व विशेष आरती की गई। इस मौके पर जगन्नाथ रथ की आकर्षक सजावट की गई, वहां से आरंभ होकर रथ यात्रा ने पूरे बाजार का भ्रमण किया। रथ यात्रा के बाद गजामूंग का महा प्रसाद वितरण का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने महा प्रसाद ग्रहण किया। गांव की महिलाओं की आस्था उनके भारी भीड़ की उपस्थिति बता रही है। मौके पर पं. त्रिभुवन मिश्रा ,ग्राम अध्यक्ष खोमन साहू, विष्णु साहू, मलेशु राम ध्रुव, गनपत साहू, करणदास, लेखराम रात्रे, भजन, फिताम्बर यादव पन्ना, लोखनु ध्रुव, महेतरू सिन्हा, बेनी राम सिन्हा सिन्हा, सत्यम, गिरवर, नरेन्द्र रात्रे सुरेन्द्र रात्रे, रमणिक साहू, हरिशंकर साहू, पिलाचंद, नारायण साहू, हेमलाल सिन्हा इत्यादि ग्राम वासी बेलर उपस्थित थे।

महाप्रभु जगन्नाथ की निकली रथयात्रा, झूमे ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रसेला

सुबह से लेकर बारिश के चलते भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और बहन सुभद्रा के दर्शन करने श्रद्धालुओं की आस्था को बारिश नहीं रोक पाया। आयोजित भव्य रथयात्रा महोत्सव में भगवान जगन्नाथ को गायत्री मंदिर से बाजे गाजे के साथ हनुमान मंदिर में लाया गया जहां विधिवत पूजा अर्चना कर वैदिक मंत्रोच्चार,भजन कीर्तन और जयघोष के बीच भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा की प्रतिमाओं को विशेष विधि विधान के साथ मंदिर से रथ तक लाया गया। पारंपरिक रीति से रथ की पुजा अर्चना निभाकर रथमार्ग का प्रतीकात्मक शुद्धिकरण किया। इसके पश्चात महाप्रभु की प्रतिमाओं को श्रद्धापूर्वक रथ पर विराजित किया गया और रथयात्रा का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर दूखूराम यादव, लोकराम यादव पटेल, उपसरपंच परमेश्वर यादव, जनपद सदस्य सुखराम ठाकुर, ग्राम प्रमुख बिग्रेद्र ठाकुर, जगतराम यादव,धनीराम यादव, नंदकिशोर यादव, नंदूदास मानिकपुरी, देवलाल बारिक, कार्तिक यादव,राम यादव, रामायण ठाकुर, धनेश्वर ठाकुर, लोकराम ध्रुव ने ग्रामवासियों को रथयात्रा की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा सनातन संस्कृति, सामाजिक समरसता,लोकपरपरा और जन जन की आस्था का महापर्व है। यह उत्सव समाज को सेवा, समर्पण, समानता और लोककल्याण का संदेश देता है। गांव की गलियों में भ्रमण करने निकले तो महिलाएं हाथों में आरती की थाल सजाएं जगत के पालनहार के दर्शन करने का इंतजार करते देखा गया। किसान भगवान जगन्नाथ को आराध्य और अन्नदाता के रक्षक माने जाते हैं। उनकी कृपा से समय पर वर्षा होती है, खेतों में हरियाली आती है, धान की बालियों में दूध भरता है और किसानों के घरों में समृद्धि का आगमन होता है।

पेज 9 के शेष...

आस्था के सैलाब में...

बढ़ी जो नगर पालिका तिराहा होते हुए मंडी मार्ग तक मंदिर पहुंची। इस दौरान पूरे मार्ग पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा था। नगर के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी हजारों की संख्या में लोग रथयात्रा में शामिल होने पहुंचे थे। पूरा शहर भगवान श्रीजगन्नाथ के जयघोष से गूंज उठा और वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बन गया। रथयात्रा के दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं ने भगवान की आरती उतारी। विशेष रूप से मातृशक्तियों ने भगवान श्री जगन्नाथ का स्वागत कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। श्रद्धालुओं को गजा-मूंग प्रसाद वितरित किया गया, जिसे प्राप्त करने के लिए लोगों में विशेष उत्साह देखा गया। कई स्थानों पर प्रसाद वितरण के दौरान लंबी कतारें लगी रहीं और श्रद्धालु बड़ी श्रद्धा के साथ भगवान का प्रसाद ग्रहण करते नजर आए। सबसे अधिक भीड़ काली मंदिर के पास ही देखने को मिली। यहां हजारों की संख्या में महिलाएं, युवतियां, बुजुर्ग और बच्चे भगवान के दर्शन के लिए घंटों खड़े रहे। हर कोई रथ पर विराजमान भगवान श्रीजगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा की एक झलक पाने को आतुर दिखाई दिए। जैसे-जैसे रथ आगे बढ़ते गए, श्रद्धालु जय जगन्नाथ के जयकारों से पूरे नगर को गुंजायमान करते रहे। हालांकि हर वर्ष की तरह इस बार भी यातायात व्यवस्था को लेकर एक बड़ी खामी सामने आई। जिस समय भगवान की रथयात्रा नगर के मुख्य मार्गों से गुजर रही थी, उसी दौरान बाहर से आने वाले चारपहिया और दुपहिया वाहनों का आवागमन पूरी तरह बंद नहीं किया गया। परिणामस्वरूप कई स्थानों पर वाहन सीधे रथयात्रा के बीच तक पहुंच गए, जिससे श्रद्धालुओं को असुविधा का सामना करना पड़ा। कई बार रथों की गति भी प्रभावित हुई और पुलिस को वाहनों को हटाने में अतिरिक्त मशक्कत करनी पड़ी।

हर साल की वही खामी: बीच रथयात्रा में घुसते रहे वाहन- नगर के नागरिकों का कहना है कि इतनी विशाल धार्मिक शोभायात्रा के दौरान मुख्य मार्गों पर कुछ समय के लिए यातायात पूरी तरह प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। इससे श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी, रथयात्रा भी अधिक व्यवस्थित ढंग से निकलेगी और दुर्घटना की आशंका भी समाप्त होगी। आने वाले वर्षों में प्रशासन को इस दिशा में विशेष योजना बनाकर वैकल्पिक मार्गों से यातायात संचालित करना चाहिए। कुल मिलाकर भगवान श्रीजगन्नाथ स्वामी की यह भव्य रथयात्रा आस्था, श्रद्धा, उत्साह और जनसहभागिता का अद्भुत संगम बन गई। हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी, तीन भव्य रथों का नगर भ्रमण, गजा-मूंग प्रसाद वितरण, मातृशक्तियों की आरती, कृत्रिम बारिश और जय जगन्नाथ के गगनभेदी उदघोष ने पूरे नगर को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया।

डीपीआई की गड़बड़ी ...

माध्यम से संबंधित निजी स्कूलों को पत्र जारी कर दोबारा जारी की गई राशि दो दिनों के भीतर वापस जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। इससे निजी स्कूल संचालकों में असमंजस और चिंता का माहौल है। निजी स्कूल संचालकों का कहना है कि शासन से प्राप्त राशि मिलने के बाद उन्होंने विद्यालयों की शैक्षणिक तैयारियों, कर्मचारियों के वेतन, आवश्यक संसाधनों और अन्य व्यवस्थाओं पर खर्च कर दिया है। ऐसे में इतनी कम अवधि में पूरी राशि वापस जमा करना उनके लिए संभव नहीं है। संचालकों का यह भी कहना है कि यदि शासन से सत्र 2025-26 की देय राशि मिलनी है, तो 2024-25 और 2025-26 की राशि का समायोजन (एडजस्टमेंट) कर शेष अंतर राशि का भुगतान किया जाए। सभी राशि वापस मांगना व्यावहारिक और न्यायसंगत नहीं है। बताया जा रहा है कि यह मामला सूरजपुर, सारंगढ़-बिलाईगढ़, गरियाबंद और बलौदा बाजार सहित चार जिलों के लगभग 80 निजी स्कूलों से जुड़ा है। इनमें गरियाबंद जिले के लगभग 12 से 13 निजी स्कूलों को भी विकासखंड शिक्षा अधिकारी द्वारा राशि वापसी के लिए पत्र जारी किया गया है। निजी स्कूल संचालकों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि इस तकनीकी त्रुटि का व्यावहारिक समाधान निकालते हुए राशि का समायोजन किया जाए, ताकि विद्यालयों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ न पड़े और आरटीई योजना का संचालन प्रभावित न हो।

4 अंतरराज्यीय...

किए गए साक्ष्यों को पुख्ता मानते हुए जिन चार आरोपियों को दोषी ठहराया है, उनमें साहिज अली, रोहित सोनकर, शिवचंद यादव और ज्ञानचंद गौतम सभी उत्तर प्रदेश रहने वाले शामिल हैं। एनडीपीएस अधिनियम के तहत मादक पदार्थों की वाणिज्यिक मात्र (कमर्शियल क्वांटिटी) की तस्करी के मामलों में कठोर दंड का प्रावधान है, जिसके तहत न्यायालय ने यह कड़ा कदम उठाया। अभियोजन पक्ष की इस सफलता का मुख्य श्रेय पुलिस की मजबूत विवेचना को जाता है। पुलिस टीम ने मौके से साक्ष्य संकलन और न्यायालय में समय पर दस्तावेजी कार्रवाई मजबूती से पेश की। इस पूरी कार्रवाई में निरीक्षक शिव शंकर हुर्रा, सहायक उप निरीक्षक जोहन राम ध्रुव, आरक्षक प्रवीण वर्मा, राजेंद्र गायकवाड़, कृष्ण नंद यादव और मनीष चलकर की अहम भूमिका रही। इन्हीं की पुख्ता जांच के आधार पर अभियोजन पक्ष अपराध सिद्ध करने में सफल रहा। इस बड़े फैसले के बाद पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अंचल में मादक पदार्थों की तस्करी और नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। ऐसे मामलों में शामिल किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

करोड़ों खर्च कर ...

की आशंका बनी रहती है। कई बार सामने से आने वाले वाहनों को साइड देने में भी भारी परेशानी होती है। छोटी-सी लापरवाही किसी की जान तक ले सकती है।

रात के अंधेरे में सड़क के काल बन रहे हैं वाहन- हैरानी की बात यह है कि यह स्थिति किसी एक स्थान तक सीमित नहीं है। पूरे शहर के सड़क के दोनों किनारों पर इसी तरह स्थायी रूप से वाहन खड़े किए जा रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि नियमों का पालन कराने वाला कोई नहीं है। प्रशासन और यातायात पुलिस की अनदेखी से वाहन मालिकों के हौसले भी बढ़ते जा रहे हैं। यदि समय रहते इस समस्या पर सख्ती नहीं बरती गई तो भविष्य में कोई बड़ी दुर्घटना होने से इन्कार नहीं किया जा सकता। उसके बाद कार्रवाई और बैठकों का दौर जरूर चलेगा, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी होगी। सड़क जनता के चलने के लिए बनी है, वाहनों को महीनों खड़ा करने के लिए नहीं। यदि चौड़ी सड़क भी पार्किंग में बदल जाए, तो विकास का उद्देश्य अधूरा ही रह जाएगा।

खबर संक्षेप

कनक राज व मिताली का नवोदय में चयन

छुरा। सेंट जोन्स इंग्लिश मीडियम स्कूल, छुरा में अध्ययनरत कक्षा आठवीं के दो मेधावी विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए जवाहर नवोदय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा नवमीं में प्रवेश हेतु चयनित होकर विद्यालय एवं अपने परिवार का नाम रोशन किया है। चयनित विद्यार्थियों में कनक राज देवांगन, पिता वेद राम देवांगन, तथा मिताली टंडन, पिता दीनदयाल टंडन शामिल हैं। दोनों विद्यार्थियों की इस उल्लेखनीय सफलता पर विद्यालय परिवार, निर्देशक जॉर्ज जेकब शैक्षणिक निर्देशक सुमंत आचार्य, प्रबंधक आशीष जेकब, शैक्षणिक निर्देशक सुमंत आचार्य, प्राचार्य बिंदु जॉर्ज जेकब, शिक्षकगण एवं अभिभावकों ने हर्ष व्यक्त की है।

विश्व युवा कौशल दिवस पर हुआ कार्यक्रम

महासमुंद। गुड शेफर्ड स्कूल में विश्व युवा कौशल दिवस पर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं कौशल उन्नयन को प्रोत्साहित करने के लिए एक प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विविध कौशल का प्रदर्शन किया सुनिधि ने गीत प्रस्तुत किया, तनीषा, भीगी, एंजेल एवं विद्या ने नृत्य प्रस्तुत किया वैष्णवी ने केशियो पर धुन प्रस्तुत किया। आयुष ने आर्ट एंड क्राफ्ट में स्केच प्रदर्शन किया। प्राचार्य एम निवासन राव ने आत्मनिर्भरता, रोजगारोन्मुख शिक्षा, डिजिटल तकनीक, संचार कौशल तथा व्यावसायिक शिक्षा के महत्व से अवगत कराया गया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को अपने ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक कौशल विकसित करने तथा बदलते समय के अनुरूप स्वयं को तैयार करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में भाषण, पोस्टर निर्माण, प्रश्नोत्तरी तथा समूह चर्चा जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जिले के दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविर 23 एवं 24 को

महासमुंद। जिले के दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराने भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को), जबलपुर द्वारा एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (एआईसी) के निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) योजना के अंतर्गत 23 एवं 24 जुलाई को वितरण शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविरों में पूर्व में आयोजित मूल्यांकन शिविरों में चिन्हांकित दिव्यांग हितग्राहियों को आवश्यकतानुसार विभिन्न सहायक उपकरण प्रदान किए जाएंगे। उप संचालक समाज कल्याण संगीता सिंह ने बताया कि जिले में प्रथम चरण के तहत सभी विकासखंडों में दिव्यांगजनों के लिए मूल्यांकन शिविर आयोजित किए गए थे। इनमें चिन्हांकित पात्र हितग्राहियों को सहायक उपकरण वितरित करने के लिए दोनों दिनों में प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे तक शिविर लगाए जाएंगे। गुरुवार 23 जुलाई 2026 को डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन, खैरा (महासमुंद) में आयोजित शिविर में महासमुंद एवं बागबाहरा विकासखंड के हितग्राहियों को सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे। वहीं शुक्रवार 24 जुलाई 2026 को मांगलिक भवन, बसना में आयोजित शिविर में पिथौरा, बसना एवं सरायपाली विकासखंड के चिन्हांकित हितग्राही लाभान्वित होंगे।

बारिश : झमाझम बारिश ने खोली पोल, कोपरा अंचल के कई मार्ग हुए बंद, रपटे जलमग्न

पुल-पुलियों के ऊपर से बह रहा पानी बच्चे, कर्मचारी और राहगीर घंटों फंसे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोपरा

आषाढ़ मास के लगते ही क्षेत्र में लगातार दो दिनों तक हुई झमाझम बारिश ने एक बार फिर ग्रामीण सड़कों और पुल-पुलियों की बदहाल स्थिति उजागर कर दी है। राजिम विधानसभा क्षेत्र के कई प्रमुख मार्गों पर बने छोटे-बड़े पुल और रपटे बारिश के दौरान जलमग्न हो जाते हैं, जिससे आवागमन पूरी तरह ठप हो जाता है। इसका खामियाजा रोजाना सफर करने वाले स्कूली बच्चों, कर्मचारियों, अधिकारियों, किसानों, व्यापारियों और आम नागरिकों को उठाना पड़ता है। सबसे अधिक समस्या राजिम-कौदकेरा मार्ग, कौदकेरा-बोरसी मार्ग, सहसपुर-धुरसा, कसेरुडीह - छुइहा मार्ग तथा लोहरसी से मुरमुरा मार्ग पर देखने को मिलती है। इन मार्गों पर पुल-पुलियों के ऊपर पानी आने से घंटों तक यातायात बाधित रहता है और लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए लंबा वैकल्पिक मार्ग अपनाना पड़ता है, जिससे समय और धन दोनों की अतिरिक्त हानि होती है।

वहीं रवेली-लोहरसी मार्ग पर भी बारिश के दौरान नदी में जलस्तर बढ़ने से आवागमन प्रभावित हो जाता है। हालांकि इस नदी पर पुल का निर्माण कार्य जारी है। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि पुल निर्माण पूर्ण होने के बाद इस मार्ग पर वर्षभर निर्बाध आवागमन संभव हो सकेगा और बारिश के दिनों में होने वाली परेशानी से स्थायी राहत मिलेगी।

घोषणाएं हुईं, पर धरातल पर काम का इंतजार

हालांकि सहसपुर-धुरसा मार्ग पर भी पुल निर्माण की घोषणा की जा चुकी है, लेकिन कार्य शुरू नहीं होने से हर बारिश में वही हालात बन जाते हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि वर्षों से स्थायी पुलों की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक कई स्थानों पर समाधान नहीं निकल पाया है। यदि आगामी दिनों में बारिश का दौर जारी रहा तो ये मार्ग फिर से बंद हो सकते हैं। ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों और प्रशासन से सभी संवेदनशील स्थानों पर शीघ्र स्थायी पुल निर्माण कर आवागमन की समस्या का समाधान करने की मांग की है।

झमाझम बारिश : भीषण गर्मी और उमस से मिली राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोपरा

क्षेत्र में भगवान श्री जगन्नाथ की पावन रथयात्रा के दिन प्रकृति ने भी जैसे श्रद्धा का प्रणाम किया। गुरुवार को ब्रह्म मुहूर्त से शुरू हुई झमाझम बारिश ने पूरे अंचल को भिगो दिया। कई दिनों से भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों को बड़ी राहत मिली। ग्रामीणों ने इस बारिश को भगवान जगन्नाथ की कृपा और गंगा मैया की बरसात मानते हुए कहा कि प्रभु ने अपने भक्तों के विश्वास को एक बार फिर सच साबित कर दिया। आषाढ़ माह की शुरुआत में दो दिनों तक अच्छी बारिश होने के बाद मौसम अचानक रूठ गया था। तेज धूप और उमस ने जनजीवन को बेहाल कर दिया था। खेतों की नमी खत्म होने लगी थी और धान की बुवाई का इंतजार कर रहे किसानों की चिंता बढ़ती जा रही थी। हर दिन आसमान की ओर टकटकी लगाए बैठे किसानों को सिर्फ बारिश का इंतजार था। क्षेत्र में वर्षों से यह मान्यता चली आ रही है कि भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के दिन वर्षा अवश्य होती है। इस बार भी लोगों की यही आस्था देखने को मिली। रथयात्रा शुरू होने से पहले ही सुबह ब्रह्म मुहूर्त में बादल घिर आए और देखते ही देखते तेज बारिश शुरू हो गई। मंदिरों में दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं ने बारिश को भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद बताते हुए क्षेत्र की सुख-समृद्धि और अच्छी फसल की कामना की। बुजुर्गों ने कहा कि वर्षों से रथयात्रा के आसपास होने वाली वर्षा को शुभ माना जाता है और इस बार भी यह परंपरा कायम रही।

कानूनी साक्षरता से सशक्त होंगी बेटियां, कन्या शाला में न्यायाधीशों ने सिखाए सुरक्षा के गुर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद

अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गरियाबंद के मार्गदर्शन में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गरियाबंद में एक विशेष विधिक साक्षरता एवं जनजागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों को कानूनों की जानकारी प्रदान करना, उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक बनाना तथा समाज में विधिक चेतना का प्रसार करना था।

कार्यक्रम में जिला एवं अपर सत्र न्यायालय के माननीय न्यायाधीश बीआर साहू, गंगा पटेल एवं खुशबू जैन ने विद्यार्थियों को विभिन्न महत्वपूर्ण कानूनी विषयों पर सरल एवं सहज भाषा में जानकारी प्रदान की। उन्होंने बच्चों को गुड टच एवं बैड टच की पहचान, यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पाक्सो), साइबर अपराध एवं ऑनलाइन ठगी से बचाव, मोटर यान अधिनियम, बिना ड्राइविंग लाइसेंस एवं बिना बीमा के वाहन चलाने के कानूनी परिणाम, सड़क सुरक्षा नियमों तथा नागरिकों के अधिकार एवं दायित्वों के बारे में विस्तारपूर्वक अवगत कराया। माननीय न्यायाधीशों ने विद्यार्थियों से कहा कि वर्तमान समय में कानूनी जानकारी प्रत्येक नागरिक के लिए अत्यंत आवश्यक है। सही जानकारी होने से व्यक्ति स्वयं को अपराधों से सुरक्षित रख सकता है तथा आवश्यकता पड़ने पर कानून की सहायता भी प्राप्त कर सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से सोशल मीडिया एवं इंटरनेट का सुरक्षित एवं जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल अपने अभिभावकों अथवा संबंधित अधिकारियों को देने की अपील की। शिविर के दौरान विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए कानून, साइबर सुरक्षा एवं बाल संरक्षण से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका न्यायाधीशों द्वारा विस्तारपूर्वक एवं सरल भाषा में उत्तर दिया गया। विद्यार्थियों ने कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने की अपेक्षा व्यक्त की। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यालयीन स्टाफ उपस्थित रहे।

जर्जर आंगनबाड़ी में जान जोखिम में डालकर बैठने को मजबूर मासूम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रसेला

एक ओर सरकार "सुपोषित बचपन" और "सुरक्षित आंगनबाड़ी" के दावे कर करोड़ों रुपये खर्च करने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर अंचल के ग्राम पंचायत पेंड्रा की तस्वीर इन दावों की सच्चाई उजागर कर रही है। यहां आंगनबाड़ी भवन इस कदर जर्जर हो चुका है कि छत का प्लास्टर लगातार टूटकर गिर रहा है, लेंटर का सरिया पूरी तरह बाहर दिखाई देने लगा है और दीवारों का कंक्रीट उखड़कर पत्थर तक नजर आने लगे हैं। भवन अब बच्चों के लिए शिक्षा का केंद्र कम और किसी बड़े हादसे का इंतजार करता खंडहर ज्यादा दिखाई देता है। हालात इतने भयावह हैं कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने बच्चों की जान को खतरे में देख उन्हें भवन के भीतर बैठाना बंद कर दिया है। मजबूरी में बच्चों की पढ़ाई और गतिविधियां आंगनबाड़ी के सामने स्थित स्वास्थ्य केंद्र के टिनशेड के नीचे संचालित की जा रही हैं। यह दृश्य अपने आप में बताने के लिए काफी है कि सरकारी व्यवस्था बच्चों को सुरक्षित छत तक उपलब्ध कराने में विफल साबित हुई है।

ग्रामीणों में भारी आक्रोश, जांच और कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों ने तत्काल नए आंगनबाड़ी भवन के निर्माण, जर्जर भवन को अनुपयोगी घोषित करने तथा पूरे मामले की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि बच्चों की सुरक्षा से बड़ा कोई विषय नहीं हो सकता। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों एवं मॉनिटरिंग में लापरवाही बरतने वालों की जवाबदेही तय कर कार्रवाई की जाए। जब तक व्यवस्था नहीं जागेगी, तब तक मासूम बच्चों का भविष्य और उनकी सुरक्षा दोनों खतरे में रहेगी। सवाल सिर्फ एक भवन का नहीं, बल्कि शासन-प्रशासन की संवेदनशीलता और जवाबदेही का है।

सरिया बाहर, प्लास्टर नीचे हादसे की आशंका

भवन के कई हिस्सों से प्लास्टर पूरी तरह झड़ चुका है। लेंटर का सरिया खुला दिखाई दे रहा है, जिससे साफ संकेत मिलता है कि भवन की मजबूती गंभीर रूप से प्रभावित हो चुकी है। बरसात के मौसम में यह खतरा और भी बढ़ गया है। यदि समय रहते इस भवन को खाली कर नया भवन उपलब्ध नहीं कराया गया तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।ग्रामीणों का कहना है कि भवन की बदहाल स्थिति कोई एक-दो दिन पुरानी नहीं है। लंबे समय से भवन जर्जर है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने केवल कागजी कार्रवाई तक खुद को सीमित रखा। सवाल उठता है कि क्या मॉनिटरिंग रिपोर्ट सिर्फ कार्यालयों में बैठकर तैयार की जा रही है?हर साल आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण, मरम्मत और बच्चों के विकास के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाने के दावे किए जाते हैं। लेकिन पेंड्रा की यह तस्वीर बताती है कि योजनाएं आखिर जमीन पर कितनी प्रभावी हैं। यदि एक आंगनबाड़ी भवन की ऐसी स्थिति है, तो अन्य भवनों की स्थिति का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।

दीपक को भाजयुमो की कमान मिलने से युवाओं में भारी उत्साह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

जिले में भाजयुमो की कमान दीपक साहू को मिलने से युवाओं में बहुत ही उत्साह एवं प्रसन्नता का माहौल है। मालूम हो कि यह नियुक्ति उन्हें संगठन के प्रति उनकी सक्रियता, लंबे समय से किए जा रहे संगठनात्मक कार्यों और जनसेवा के प्रति समर्पण को देखते हुए मिली है। श्री साहू ने अपनी नियुक्ति पर भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उनके लिए केवल एक पद नहीं, बल्कि संगठन और राष्ट्रसेवा का पवित्र दायित्व है। उन्होंने कहा कि वे पार्टी की रीति-नीति, विचारधारा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं को युवाओं तक पहुंचाने तथा अधिक से अधिक युवाओं को संगठन से जोड़ने का कार्य पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ करेंगे। उन्होंने अपनी नियुक्ति के लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरणसिंह देव, संगठन महामंत्री पवन साय, सांसद रूपकुमारी चौधरी, विधायक रोहित साहू, राज्य भंडार गृह निगम अध्यक्ष चंदूलाल साहू, राज्य खाद्य आयोग अध्यक्ष संदीप शर्मा, पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय, वरिष्ठ नेता गोवर्धन मांझी, डमरूधर पुजारी, जिला भाजपा अध्यक्ष अनिल चंद्राकर, भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा, जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप, जिला महामंत्री द्वय चंद्रशेखर साहू, आशीष शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष भागीरथी मांझी, डॉ. रामकुमार साहू, राजेश साहू सहित समस्त वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का हृदय से आभार व्यक्त किया। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष दीपक साहू ने कहा कि जिले के प्रत्येक मंडल, शक्ति केंद्र और बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रवास करेंगे तथा युवाओं को संगठन की मुख्यधारा से जोड़ने का अभियान चलाएंगे।

शिक्षक लालजी सिन्हा ने बच्चों को कराया न्योता भोज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोपरा

शासकीय प्राथमिक शाला भेंडरी में लोकप्रिय एवं नवाचारी शिक्षक लालजी सिन्हा ने अपना जन्मदिन सेवा, संवेदनशीलता और सामाजिक सरोकार के साथ मनाते हुए विद्यालय के विद्यार्थियों को न्योता भोज कराया। इस अवसर पर बच्चों को नियमित मध्यान्ह भोजन के साथ अपने हाथों से केक, चॉकलेट, खीर, पूड़ी, बड़ा एवं भजिया परोसकर अतिरिक्त पोषण उपलब्ध कराया गया। स्वादिष्ट व्यंजन और आत्मीयता से परोसे गए भोजन को

पाकर बच्चे अत्यंत उत्साहित एवं प्रफुल्लित दिखाई दिए। शिक्षक लालजी सिन्हा ने कहा की बच्चों के बीच अपना जन्मदिन मनाना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य है। विद्यार्थियों की मुस्कान ही मेरे लिए सबसे अनमोल उपहार है। शिक्षा के साथ बच्चों में संस्कार, प्रेम, सेवा और आपसी सहयोग की भावना विकसित करना हम सभी शिक्षकों का दायित्व है। यदि मेरे जन्मदिन से बच्चों के चेहरे पर खुशी आती है, तो इससे बड़ा उत्सव मेरे लिए कोई नहीं हो सकता। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधान पाठक भागचंद चतुर्वेदी, शिक्षक टीकूराम ध्रुव, रेखाराम निषाद, प्रदीप कुमार साहू एवं लालजी सिन्हा, पालक सदस्य भूषण लाल साहू, भावी साहू , नव्यानिधि साहू, शांति यादव एवं रेखा यादव सहित विद्यालय के 75 विद्यार्थियों ने सहभागिता की और न्यौता भोज का आनंद लिया।

खबर संक्षेप

धान खरीदी और योजनाओं का लाभ लेने एग्री स्टैक पंजीयन अनिवार्य : एसडीएम

छुईहा बेलर। फिंगेश्वर विकासखंड के किसानों को धान खरीदी सहित शासन की विभिन्न कृषि एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ निर्बाध रूप से उपलब्ध कराने के लिए एग्री स्टैक पंजीयन अनिवार्य किया गया है। फिंगेश्वर-राजिम अनुविभाग के एसडीएम विशाल महाराणा ने किसानों से समय रहते अपना पंजीयन पूर्ण कराने कहा है। ताकि आगामी धान खरीदी सीजन में किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। अभियान के तहत बताया गया है कि जिन भूमि अभिलेखों में एक से अधिक खातेदार या सहखातेदार दर्ज हैं, उन सभी सहखातेदारों का भी एग्री स्टैक में पंजीयन कराना आवश्यक होगा। भूमि और किसान संबंधी जानकारी के एकीकृत डिजिटलीकरण से योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुंच सकेगा।

खरोरा में धूमधाम से निकाली गई रथयात्रा

महासमुंद। ग्राम खरोरा के राममंदिर गुरुवार को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा धूमधाम से निकाली गई। भगवान जगन्नाथ की रथ दोपहर 3 बजे गाजे-बाजे के साथ गांव में निकाली गई। गांव में भ्रमण के दौरान दर्शन करने भक्तों की भारी संख्या में भीड़ लगी रही। महिलाओं ने गली में रथ के गुजरने के दौरान भगवान जगन्नाथ की आरती कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान महिलाओं ने रथ यात्रा स्वागत के लिए घर के बाहर दरवाजे में रथयात्रा गाव के चौक से गुड़ी चौक भाटापारा खल्लारी से होते हुए गुरुवार को रात 8 बजे रथ को विश्राम गृह के लिए ग्राम के भक्त के निवास में रखा गया। प्रसाद लेने भक्तों की भीड़ जुटी रही। भक्त परंपरागत रुप से रुमाल देकर प्रसाद पाया। वही भक्ति गीतों पर युवाओं के साथ महिलाएं व बच्चे उत्सव मनाते नजर आए। जगन्नाथ, उनकी बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलराम के रथ खींच कर भक्त पुण्य के भागीदार बने।

सुविधा : युद्ध स्तर पर शुरू होगा काम, बिछेगा पाइपलाइन का जाल

कोपरा में दूर होगी पानी की किल्लत, जल आवर्धन के लिए 20.35 करोड़ स्वीकृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोपरा

राजिम विधानसभा क्षेत्र के नगर पंचायत कोपरा के निवासियों को राज्य सरकार ने बड़ी सौगात दी है। नगर में लंबे समय से चली आ रही पेयजल की समस्या को जड़ से समाप्त करने के लिए राज्य शासन ने जल आवर्धन योजना के तहत 20 करोड़ 35 लाख रुपए की राशि को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस बहुप्रतीक्षित योजना की मंजूरी मिलते ही पूरे नगर में हर्ष का माहौल है। इस योजना के धरातल पर उतरने से नगर पंचायत कोपरा के हर घर में नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल पहुंचेगा और गर्मी के दिनों में होने वाली पानी की किल्लत पूरी तरह से खत्म हो जाएगी। इस बड़ी सौगात के लिए क्षेत्रीय विधायक रोहित साहू और नगर पंचायत अध्यक्ष रूपनारायण साहू ने प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री और नगरीय प्रशासन मंत्री का हृदय से आभार व्यक्त किया है। विदित हो कि कुछ माह पूर्व प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन विकास विभाग के भारसाधक मंत्री अरुण साव विभिन्न विकास कार्यों तथा नवनिर्मित अटल परिसर के लोकार्पण समारोह में नगर पंचायत कोपरा पहुंचे थे तब क्षेत्रीय विधायक रोहित साहू ने नगरवासियों की मांग पर इस जल आवर्धन योजना की स्वीकृति के लिए उपमुख्यमंत्री अरुण साव से विशेष आग्रह किया था जिसकी घोषणा उपमुख्यमंत्री ने मंच से ही की थी ,जो आज फलीभूत हुई है।

विकास और सुशासन का संकल्प हो रहा पूरा : रोहित साहू

इस स्वीकृति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू ने कहा कि नगर पंचायत कोपरा में स्वच्छ पेयजल की सुचारू व्यवस्था क्षेत्र की जनता की प्रमुख मांग थी। आज मुझे यह बताते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि हमारी सरकार ने कोपरा के लिए 20 करोड़ 35 लाख रुपए की जल आवर्धन योजना को स्वीकृति दे दी है। इस ऐतिहासिक सौगात के लिए मैं प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव का सहृदय आभार और धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। हमारी सरकार विकास और सुशासन के मूलमंत्र पर काम कर रही है। पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा हर नागरिक का अधिकार है और यह योजना हमारे इसी संकल्प को पूरा करेगी। क्षेत्र का चहुंमुखी विकास और जनता की समस्याओं का त्वरित निराकरण ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। बहुत जल्द इस योजना का भूमिपूजन कर कार्य प्रारंभ किया जाएगा ताकि नगरवासियों को जल्द से जल्द इसका सीधा लाभ मिल सके।

कोपरा के इतिहास का स्वर्णिम दिन : नपं अध्यक्ष

नगर पंचायत कोपरा के अध्यक्ष रूपनारायण साहू ने कहा कि यह कोपरा नगर पंचायत के इतिहास का एक स्वर्णिम दिन है। पानी की समस्या हमारे नगर की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक थी, जिसे आज हमारी सरकार ने दूर कर दिया है। 20 करोड़ 35 लाख रुपए की यह बड़ी स्वीकृति हमारे नगर के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। नगर पंचायत कोपरा के सभी सम्मानीय नागरिकों की ओर से, मैं माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव और विशेष रूप से हमारे कर्मठ विधायक रोहित साहू का कोटि-कोटि आभार व्यक्त करता हूँ। विधायक के अथक प्रयासों और निरंतर मार्गदर्शन के बिना यह संभव नहीं था। इस योजना के पूर्ण होने से हमारी माताओं और बहनों को पानी के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा और हर घर में शुद्ध जल उपलब्ध होगा। हम सुनिश्चित करेंगे कि इस योजना का कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से और तय समय-सीमा में पूरा हो। जल आवर्धन योजना के तहत अब नगर में नई टंकियों का निर्माण, पाइपलाइन का विस्तार और जल शुद्धिकरण संयंत्र की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे। प्रशासनिक औपचारिकताएं पूर्ण होते ही टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी, जिसके बाद नगर में युद्ध स्तर पर कार्य आरंभ होने की उम्मीद है।

कोसमबुडा में एचपीवी टीकाकरण शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छुरा

विद्यालय परिसर में छात्राओं के स्वास्थ्य संरक्षण एवं गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल कैंसर) की रोकथाम के उद्देश्य से एक दिवसीय एचपीवी टीकाकरण शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर स्वास्थ्य विभाग एवं विद्यालय प्रशासन के संयुक्त तत्वधान और आपसी सहयोग से संपन्न हुआ। शिविर के दौरान उपस्थित स्वास्थ्य दल द्वारा सर्वप्रथम पात्र छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें इस वैक्सीन के महत्व के प्रति परामर्श दिया गया। इसके उपरांत, कुल 19 छात्राओं का सफलतापूर्वक एचपीवी टीकाकरण किया गया। यह अभियान छात्राओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा भविष्य में सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की रोकथाम की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है। शिविर को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग एवं विद्यालय प्रशासन की ओर से डॉ. राहुल नेताम, आरके सोनवानी , टोमन, उषा, बी. सिन्हा हीरा कंवर (स्टाफ नर्स, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, कोसमबुडा) सभी अधिकारियों, स्वास्थ्यकर्मियों एवं विद्यालय स्टाफ के सक्रिय सहयोग से यह टीकाकरण शिविर पूरी तरह से शांतिपूर्ण, व्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय परिवार द्वारा स्वास्थ्य विभाग की टीम के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया गया तथा भविष्य में भी छात्राओं एवं जनहित से जुड़े ऐसे कल्याणकारी स्वास्थ्य कार्यक्रमों के सफल आयोजन हेतु निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया गया।

■ 19 छात्राओं को लगी वैक्सीन

नहर से पाइप बंद करने से जमाही खार के किसान पर बोनी का संकट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छुईहा बेलर

मानसून दस्तक दे चुका है और खेतों में बोनी शुरू हो गई है, लेकिन सिकासेर मुख्य नहर से जुड़े ग्राम जमाही खार के किसानों के सामने सिंचाई का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। सिंचाई विभाग पाण्डूका के कर्मचारियों द्वारा नहर से लगी 40 साल पुरानी मायनर में 2 कुलापा और पाइप लाइन निकाल दिए जाने से सैकड़ों एकड़ खेत पानी के लिए तरस रहे हैं। ग्रामीणों मदन ध्रुव, जगदीश ध्रुव ,भोज, नारायण यादव सहित अन्य किसानों का कहना है कि जब से सिकासेर नहर बनी है तब से जमाही खार क्षेत्र में सिंचाई के लिए 2 कुलापा और पाइप की सुविधा दी गई थी। यह व्यवस्था लगभग 40 वर्षों से सुचारू रूप से चल रही थी। लेकिन इस वर्ष सिंचाई विभाग पाण्डूका के एस.डी.ओ महेश पेजोरिया के निर्देश पर उस पाइप को ही बंद कर दिया गया। विभाग का तर्क स्पष्ट नहीं किया गया। किसानों ने 11 मई को मुख्य कार्यपालन अभियंता गरियाबंद एसके बर्मन, सिंचाई विभाग गरियाबंद को लिखित आवेदन देकर पाइप से सिंचाई बहाल करने की मांग की थी। आवेदन में कहा गया कि पाइप हटने से खेतों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है जिससे किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। लेकिन किसानों का आरोप है कि इस आवेदन को भी गंभीरता से नहीं लिया गया। बारिश शुरू होने और बोनी का समय निकलने की चिंता बढ़ने पर किसानों ने विधायक प्रतिनिधि विजय कंडरा और जिला पंचायत सदस्य इंद्रजीत महाड़िक को वस्तुस्थिति से अवगत कराया।